

317
24

पत्रावली पेशाद्वारी ककील वाही व वाही श्री
आवाज लगाई गरी बार - बार आवाज लगाए के
बावबूद श्री ककील वाही व वाही न्यायालय में हाजिर
नहीं होने पर वाही का वाह अहम हाजरी अहम
पैरवी में खासिनु किया जाता है। पत्रावली के सुलसुमाए
होकर नम्बर से कम होकर हाथिल हफतर हो।

